अनियंत्रित ट्रक ने घर के पास मचाई तबाही, 4 घायल

सतना।

कोलगवां थाना अंतर्गत वार्ड नं 17,रामटेकरी नई बस्ती में एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। गली नंबर 1 में एक अनियंत्रित ट्रक अचानक पलट गया। यह हादसा रिहायशी इलाके में एक घर के बिल्कुल पास हुआ,जिसकी चपेट में आने से 4 लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए भेजा गया है। कोलगवां पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अमरपाटन में गाय को बचाने के चक्कर में हाईवे पर पलटा प्याज से लदा ट्रक

अमरपाटन में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर रफ्तार का कहर देखने को मिला,जहाँ महाराष्ट्र के जलगांव से बिहार के दरभंगा जा रहा प्याज से लदा एक ट्रक बीच हाईवे पर पलट गया। बताया जा रहा है कि सामने अचानक गाय आ जाने के कारण चालक ने नियंत्रण खो दिया। हादसे के बाद सड़क पर प्याज का ढेर लग गया। इस घटना में चालक और क्लीनर दोनों घायल हुए हैं, जिन्हें हाईवे पेट्रोलिंग टीम ने तत्काल सिविल अस्पताल अमरपाटन पहुँचाया।

पिथौराबाद में घर के आंगन से 3 दुधारू भैंसें पार,कैमरे में कैद संदिग्ध वाहन

नागौद थाना क्षेत्र के ग्राम पिथौराबाद में चोरों के हौसले बुलंद हैं।यहाँ सुरेन्द्र प्रसाद तिवारी के घर से अज्ञात बदमाशों ने 3 दुधारू भैंसें चोरी कर लीं। वारदात के पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में एक संदिग्ध वाहन नजर आया है,जिसमें भैंसों को लादकर ले जाने की आशंका है। पीड़ित ने पोड़ी चौकी में मामला दर्ज कराया है,पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी है।

रामपुर बाघेलान में गलत दिशा से आ रही बस और ट्रेलर में सीधी भिड़ंत, टला बड़ा हादसा

रामपुर बाघेलान थाना क्षेत्र के खुटहा मोड़ के पास एक भीषण सड़क हादसा होते-होते रह गया। लापरवाही पूर्वक रॉन्ग साइड (गलत दिशा) से आ रही कृष्णा बस सर्विस की बस सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। बस में ककलपुर से ऐरा लौट रहे बाराती सवार थे। टक्कर के बाद बस में चीख-पुकार मच गई, लेकिन गनीमत रही कि सभी बाराती सुरक्षित हैं। रामपुर टीआई संदीप चतुर्वेदी ने मौके पर पहुँचकर स्थिति संभाली। बताया जा रहा है कि ड्राइवर डीजल डलवाने के बाद शॉर्टकट के चक्कर में गलत दिशा से बस चला रहा था।

खबर संक्षेप

प्रिज़्म की लेडीज क्लब ने किया सलाद मेकिंग कम्पटीशन का आयोजन

सतना। प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड के शारदा लेडीज क्लब द्वारा श्रीमती सुनीता सिंह की अध्यक्षता में सलाद मेकिंग कम्पटीशन का आयोजन किया गया। जिसमें क्लब की सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी पाक कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के सदस्य कर्नल मनीष प्रसाद और श्रीमती संगीता वर्मा रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रीमती संगीता चौधरी,द्वितीय स्थान श्रीमती आकांक्षा जगाती और तृतीय स्थान श्रीमती किरन सिंह ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई।उपरोक्त आशय कि जानकारी प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड के देवेन्द्र मिश्रा डीजीएम सीएसआर एवं जनसंपर्क अधिकारी ने दी।

मैहर में क्रिकेट का महाकुंभ 22 फरवरी से

मैहर। मैहर क्रिकेट क्लब द्वारा क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी के संरक्षण में आगामी 22 फरवरी से लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। इस खेल उत्सव को 'विधायक कप लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट' के नाम से जाना जाएगा। इस टूर्नामेंट को संपन्न कराने बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।क्लब के वरिष्ठ सदस्य राजेंद्र जादवानी और योगेश पाल ने बताया कि इसमें मध्य प्रदेश की नामी-गिरामी और दिग्गज क्रिकेट टीमों को आमंत्रित किया जा रहा है। आयोजन समिति ने विजेता और उपविजेता टीमों के लिए आकर्षक नगद पुरस्कारों की घोषणा की है जिसमें विजेता 51,000 रुपये नगद एवं भव्य विजेता शील्ड। उपविजेताः 31,000 रुपये नगद एवं उपविजेता शील्ड। मैहर क्लब ने नगर के सभी खेल प्रेमियों और प्रबुद्ध नागरिकों से इस आयोजन को सफल बनाने एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

एमपी बोर्ड 12वीं की परीक्षाएं आज से

सतना। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 10 फरवरी से 7 मार्च तक आयोजित की जा रही हैं।परीक्षा का समय सुबह 9से 12बजे तक निर्धारित है,जिसके लिए छात्रों को 8ः 30 बजे तक केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य है। पहले दिन अंग्रेजी का प्रश्नपत्र होगा। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक छात्र का फोटो मिलान किया जाएगा। नियमित और स्वाध्यायी परीक्षार्थियों के लिए जिले भर में सुरक्षा और अनुशासन के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

चुनावी कार्य में लापरवाही पर बीएलओ निलंबित

सतना। चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 30 के बीएलओ भरतलाल आरख को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उन पर मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (SIR 2026) कार्य में घोर लापरवाही बरतने,नोटिस तामील न करने और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना करने का आरोप है। कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस द्वारा जारी आदेश के अनुसार,निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय मझगवां निर्धारित किया गया है।

बेहतर जीवन जियो...लंबा जीवन जियो- रोटरी क्लब द्वारा परिचर्चा

सतना। अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब द्वारा स्वास्थ्य पर परिचर्चा आयोजित की गई सभी गेस्ट स्पीकर्स डॉक्टरो द्वारा स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई डॉ.रजनीश जायसवाल ने जिस प्रकार से **Heart** से संबंधित **Hurry**,**Worry**,**Curry** फॉर्मूले से समझा दिया कि हमको किस प्रकार से अपने आप को बचाना है। डॉ.आलोक खन्ना ने **Gut** से संबंधित पूरी जानकारी दी। हमें किस प्रकार खान-पान से लेकर डेली लाइफ में संयमित होकर अपना पाचन तंत्र ठीक करना है। डॉ.कारखुर ने अपने व्याख्यान में **Mental Health** जो की आज की सबसे बड़ी समस्या है उसे बहुत ही हल्के-फुल्के अंदाज में अपनी चिर परिचित शैली में साझा किया। डॉ अश्विन जैन ने **Dental Health** संबंधी व्याख्यान में बताया कि दांत स्वास्थ्य हेल्थ के लिए सबसे जरूरी है। आज का खान पान खराब दांतों के लिए सबसे बड़ा जिम्मेदार है,आपने ब्रशिंग करने का

बच्चों के इलाज में मानवीय संवेदना को देखते हुए उपचार करना चाहिए: डॉ. केसी जैन

मैहर। विशेष वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मैहर के वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.के.सी. जैन रहे। कार्यक्रम की शुरुआत एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अध्यक्ष डॉ. वी.के. गांधी द्वारा सभी अतिथियों एवं शिशु रोग विशेषज्ञों के स्वागत के साथ की गई। उन्होंने संस्था की स्थापना,उद्देश्य एवं गतिविधियों की जानकारी दी। इसके पश्चात पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एंटीबायोटिक के विवेकपूर्ण उपयोग एवं एंटीबायोटिक के विरुद्ध कीटाणुओं में बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) जैसे गंभीर विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सभी विशेषज्ञों ने एंटीबायोटिक के अनावश्यक एवं अंधाधुंध प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों पर चिता व्यक्त करते हुए इसके प्रति जन-जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में डॉ.प्रभात सिंह एवं डॉ.संजीव प्रजापति को एमपी पेडीकान में बेस्ट पेपर अवार्ड प्राप्त करने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।आभार प्रदर्शन डॉ.सुनील कारकुर द्वारा किया गया,जबकि डॉ.विजेता राजपूत ने कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावी संचालन किया।

रेलवे स्टेशन पर नियमों की धज्जियांः 'जलाऊ लकड़ी' का डिपो बनी ट्रेनें, चैन की नींद सो रहा रेल प्रशासन!

सतना।

भारतीय रेलवे को देश की जीवनरेखा कहा जाता है,लेकिन पश्चिम मध्यरेलवे के जबलपुर मंडल के अंतर्गत आने वाला सतना रेलवे स्टेशन इन दिनों जीवनरेखा के बजाय 'अवैध तस्करी की लाइफ लाइन' बनता जा रहा है। विंध्य क्षेत्र के इस प्रमुख जंक्शन पर रेल सुरक्षा और प्रबंधन के बड़े-बड़े दावों की धज्जियां खुलेआम उड़ाई जा रही हैं। मानिकपुर से लेकर कटनी और मैहर के बीच चलने वाली ट्रेनें अब यात्रियों के लिए कम और अवैध लकड़ी की तस्करी के लिए 'चलते-फिरते गोदाम' के रूप में अधिक उपयोग हो रही हैं।

यात्रियों के हक पर लकड़ी के गट्ठरों का कब्जा

सतना स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों,विशेषकर डेमू और पैसेंजर ट्रेनों के भीतर का नजारा रूह कंपाने वाला है। जिस सीट पर यात्रियों को बैठने का अधिकार है,वहां आज भारी-भरकम जलाऊ लकड़ियों के गट्ठर लदे हुए हैं। कोच के भीतर पैर रखने तक की जगह नहीं बची है। आलम यह है कि सामान्य यात्री अपनी जान जोखिम में डालकर इन लकड़ियों के बीच बैठने को मजबूर हैं।यह न केवल यात्रियों की सुविधा का हनन है,बल्कि किसी बड़ी दुर्घटना को सीधा निमंत्रण भी है।

आरपीएफ और जीआरपी की भूमिका पर सवाल

सबसे गंभीर सवाल रेलवे की सुरक्षा एजेंसियों पर उठता है। स्टेशन परिसर में चप्पे-चप्पे पर आरपीएफ और जीआरपी के जवानों की तैनाती का दावा किया जाता है,फिर भी सैकड़ों क्विंटल लकड़ी कोच के भीतर कैसे पहुँच रही है? क्या यह सब अधिकारियों की मिलीभगत के बिना संभव है? स्थानीय लोगों और यात्रियों का आरोप है कि यह अवैध कारोबार एक संगठित गिरोह की तरह फल-फूल रहा है,जिसे स्थानीय स्तर पर संरक्षण प्राप्त है।

कागजी कार्रवाई और 'औचक निरीक्षण' का ढोंग

जबलपुर मंडल के आला अधिकारी समय-समय पर औचक निरीक्षण की रस्म अदायगी करते हैं,लेकिन ज़मीनी हकीकत जस की तस बनी हुई है। लकड़ी की तस्करी के साथ-साथ इन ट्रेनों में अवैध वेंडरों का भी साम्राज्य है।सुरक्षा के नाम पर जीरो टॉलरेंस की बात करने वाला प्रशासन आखिर इन तस्करों के आगे नतमस्तक क्यों है? क्या रेलवे प्रशासन किसी बड़े अग्निकांड या हादसे के बाद ही अपनी नींद से जागेगा? सतना स्टेशन की यह तस्वीरें रेल प्रशासन के गाल पर एक तमाचा हैं। यदि समय रहते इस अवैध कारोबार पर नकेल नहीं कसी गई,तो यात्री सुरक्षा का दावा केवल फाइलों तक सीमित रह जाएगा।

खाकी की सरपरस्ती में 'खाक' होता जंगलः सतना-पन्ना बॉर्डर पर हीरा माफिया का तांडव, सो रहा प्रशासन

सतना।

कहने को तो सतना और पन्ना की सीमाएं अपनी प्राकृतिक संपदा और बेशकीमती हीरों के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं,लेकिन आज यही संपदा यहां के वनों और सरकारी तंत्र के लिए अभिशाप बन चुकी है। मझगवां तहसील के वृत बरौंधा अंतर्गत कौहारी,कठवरिया,गऊघाट और सेहा जैसे क्षेत्रों में हीरा माफिया ने कोहराम मचा रखा है। आलम यह है कि नदियों का सीना चीरकर निकाला जा रहा हीरा माफियाओं की तिजोरियां भर रहा है,और बदले में शासन को सिर्फ बर्बादी मिल रही है।

वन और राजस्व की सीमा में 'बंटवारा'

सूत्र बताते हैं कि अवैध उत्खनन का यह काला खेल वन विभाग और राजस्व विभाग की मिलीभगत के बिना संभव ही नहीं है। कौहारी और गोपालपुर के क्षेत्रों में माफियाओं ने सीमा विवाद का ऐसा जाल बुना है कि जब वन विभाग से पूछो तो वे इसे राजस्व की भूमि बताते हैं,और राजस्व विभाग इसे वन क्षेत्र कहकर पल्ला झाड़ लेता है। इसी 'नूराकुश्ती' की आड़ में पहउआ,कलिंजर और नरैनी के खनिज माफिया चांदी काट रहे हैं।

दिखावे की कार्रवाई, फिर वही 'अवैध' ढर्रा

हैरानी की बात यह है कि कुछ दिनों पूर्व राजस्व विभाग ने 'छापामार कार्रवाई' का ढोंग रचा था। दो दिन तक खदानें शांत रहीं,मानों प्रशासन ने माफिया की कमर तोड़ दी हो। लेकिन यह महज एक 'विराम' था। जैसे ही अधिकारियों की गाड़ियां वापस मुड़ीं,माफिया और वन विभाग के बीच की 'पुरानी सांठगांठ' फिर जाग उठी। आज कठवरिया और कौहारी के जंगलों में फिर से मशीनों की गूंज और मजदूरों की आवाजाही शुरू हो गई है।

नदियों का वजूद खतरे में

गऊघाट और सेहा सहित तमाम नदी किनारों पर सैकड़ों अवैध गड्ढे खोद दिए गए हैं। माफिया न केवल जमीन खोद रहे हैं,बल्कि पर्यावरण का गला भी घोंट रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि रात के अंधेरे में ही नहीं,अब तो दिन दहाड़े वर्दीधारियों की मौन सहमति से हीरों की 'लूट' मची है। सवाल यह उठता है कि आखिर किसके संरक्षण में दो दिन बाद ही दोबारा शुरू हुआ यह अवैध कारोबार? क्या मझगवां प्रशासन माफियाओं के आगे नतमस्तक हो चुका है? क्या उच्च अधिकारी केवल कागजी कार्रवाई तक ही सीमित रहेंगे या इन सफेदपोश लुटेरों पर कोई कड़ी चोट की जाएगी? यदि समय रहते इस संगठित अपराध पर लगाम नहीं कसी गई, तो वह दिन दूर नहीं जब ये सीमावर्ती जंगल सिर्फ कागजों पर ही हरे-भरे रह जाएंगे।

भागवत महापुराण भगवान श्री कृष्ण का अक्षराकार विग्रह है: आचार्य निर्मल

सतना।

श्रीमद् भागवत महापुराण समस्त वेदों का सार है भगवान कृष्ण में जितना प्रभाव ऐश्वर्य और क्षमता है वह सब भागवत में विद्यमान है। यह समस्त पुराणों का तिलक है। इस ग्रंथ की कथा सुनने वाले भाग्यशाली श्रोताओं के हृदय में भगवान कृष्ण अपना निवास बना लेते हैं। इस ग्रंथ की कृपा से मनुष्य को अर्थ धर्म काम मोक्ष सब पदार्थों की प्राप्ति सुलभ हो जाती है। दहलान धाम सरकार शिवराजपुर में धर्मवीर पं रुद्र प्रताप त्रिपाठी द्वारा आयोजित रुद्र महायज्ञ के अंतर्गत महाराष्ट्र से पधारे हुए मानस महारथी भागवत भूषण पं निर्मल कुमार जी शुक्ल ने भागवत कथा के तृतीय दिवस विशाल श्रोता समूह को भाव विभोर करते हुए उक्त उद्गार व्यक्त किए। श्रृष्टि रचना की व्याख्या करते हुए आपने कहा कि इस चराचर के रचनाकार स्वयं भगवान ही हैं वो श्रृष्टि बनाते भी हैं और बनते भी हैं। पृथ्वी आकाश वायु अग्नि और जल सारे पदार्थ भगवान के ही शरीर,से प्रकट हुए हैं।इस प्रकार ए सारा संसार भगवान का ही स्वरूप है इसीलिए गोस्वामी तुलसीदास जी ने सीय राम मय सब जग जानी।करौं प्रणाम जोरि जुग पानीं की उद्घोषणा किया। आपने इससे आगे ध्रुव तथा जड़ भरत की मार्मिक कथा सुनाते हुए कहा कि ध्रुव जी की अवस्था जब मात्र पांच वर्ष की थी अपनी सौतेली माता सुरुचि के अपमान से व्याकुल होकर माता सुनीति के आदेशानुसार वे यमुना तट पर तपस्या करने निकल पड़े।पांच महीने तक बिना अन्न जलग्रहण किए ऊक पैर से खड़े होकर भूखे प्यासे 5 महीने तक कठोर तप किया अंततः भगवान ने उन्हें दर्शन देकर कृतार्थ किया।36 हजार वर्षो तक राज्य करके ध्रुव जी ने बन की ओर प्रस्थान किया। कठिन तपस्या करने के बाद जब शरीर छूटा तो वैकुंठ के द्वार पर उन्हें स्थान मिला।आज भी उत्तर दिशा में ध्रुव तारे के रूप में उनका दर्शन होता है। महराज श्री की कथा गंगा दिनांक 15 फरवरी तक रोज 3 से 6 बजे तक तक प्रवाहित होगी।

12 फरवरी को आयेंगे द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य सदानंद सरस्वती महाभाग

आयोजक यजमान धर्मवीर रुद्र प्रताप त्रिपाठी ने बताया कि रुद्र महायज्ञ में सनातन धर्म के सर्वोच्च सर्वभौम धर्मगुरु अनंत श्री मज्जजगद्गुरु भगवान शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज द्वारिकापुरी का पदार्पण आगामी 12 फरवरी होगा विशाल संगोष्ठी में भक्तों को पूज्य भगवान शंकराचार्य आशीर्वाद प्रदान करेंगे सकल समाज से दर्शन आशीर्वाद कथा श्रवण हेतु पधारे का आग्रह चंद्रशेखर त्रिपाठी ने किया।

ब्रह्मलीन हुए स्वामी सच्चिदानंद महाराजः धारकुंडी आश्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दी गई समाधि

सतना। धारकुंडी आश्रम के प्रतिष्ठित संत परमहंस स्वामी सच्चिदानंद महाराज सोमवार को समाधि लीन हो गए। 102 वर्ष की आयु में देह त्यागने वाले महाराजश्री को वैदिक मंत्रोच्चार और संत समाज की गरिमामयी उपस्थिति के बीच अंतिम विदाई दी गई। इस अवसर पर हजारों की संख्या में अनुयायी,शिष्य और कई बड़े राजनीतिक व प्रशासनिक चेहरे मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि परमहंस स्वामी सच्चिदानंद महाराज शनिवार को मुंबई के बदलापुर आश्रम में ब्रह्मलीन हुए थे। उनके पार्थिव शरीर को विमान और सड़क मार्ग से धारकुंडी आश्रम लाया गया,जहां रविवार को उनके अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया था। महाराजश्री के अंतिम दर्शन के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव,उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल,और राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी सहित कई गणमान्य नागरिक पहुंचे।

ओवरलोड वाहनों ने नष्ट कर के रख दी क्षेत्र की सड़क

मैहर।

मैहर में आवागमन सुलभ कराने के लिए सरकार की ओर से हर संभव प्रयास कर मैहर क्षेत्र में सड़कों का निर्माण कराया गया कि आने जाने वाले ग्रामीणों को परेशानी का सामना न करना पड़ें लेकिन मैहर में खुली अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी के ओवर लोड वाहनों के चलने सड़क दुर्दशा हो गई है जगह जगह बड़ें गड्ढें हो जाने से जहां आवागमन प्रभावित होता है वहीं ओवरलोड वाहनों से गिरने वाले पत्थरों से आए दिन ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि इस संबंध को लेकर ग्रामीणों के द्वारा जिला प्रशासन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट कराया जाता है मगर कोई सुनने को तैयार नहीं है क्यों कि इनके विश्रामगृहों में अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधि तक आराम फरमाते है।यह भी बताया जा रहा है कि पत्थर परिवहन करने वाली संस्था का सीधा रिश्ता अल्ट्राटेक से है। सवाल यह नहीं कि सड़कें टूट रहीं-सवाल यह है कि किसके संरक्षण में टूट रहीं है। इधर जन प्रतिनिधियों की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

खबर संक्षेप

जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक का आयोजन 11 फरवरी 2026 को

पन्ना। अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी ने अपने कार्यालयीन आदेष के तहत 29.01.2026 द्वारा आगामी जनगणना 2027 से संबंधित गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु 11 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किये जाने का आदेष जारी किया गया है। गौरतलब बात यह है कि उक्त जनगणना समन्वय समिति में जहां अध्यक्ष के रूप में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी जिला पन्ना वहीं अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी जिला पन्ना सदस्य के रूप में जिला योजना अधिकारी सहित अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी साथ ही जिला सूचना विज्ञान अधिकारी पन्ना सदस्य के रूप में साथ ही जिला षिक्षा अधिकारी पन्ना एवं परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण पन्ना तथा जिला जनसंपर्क अधिकारी पन्ना सदस्य के रूप में अपनी भागीदारी कर्तव्यों के निर्वाहन को लेकर तय करेंगे इस तरह से 11 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी की अध्यक्षता में यह बैठक में अयोजित की जा रही है।

स्थायी नियुक्ति न मिलने से उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट

अतिथि शिक्षकों के नियमितीकरण की मांग तेज, मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

पवई। मध्यप्रदेश के अतिथि शिक्षकों ने लंबे समय से लंबित अपनी मांगों को लेकर एक बार फिर आवाज बुलंद की है। अतिथि शिक्षकों ने माननीय मुख्यमंत्री से करबद्ध निवेदन करते हुए कहा है कि वे पिछले लगभग 18 वर्षों से अल्प मानदेय पर कार्य कर रहे हैं और अनुभव, शैक्षणिक योग्यता (व.म्क., ठ.म्क.) तथा शिक्षक पात्रता परीक्षाएं उत्तीर्ण होने के बावजूद अब तक नियमित शिक्षक नहीं बन पाए हैं। शिक्षकों का कहना है कि वर्षों की सेवा के बाद भी स्थायी नियुक्ति न मिलने से उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट बना हुआ है। अतिथि शिक्षक संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र गर्ग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि अतिथि शिक्षकों को शीघ्र नियमित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि अतिथि शिक्षक वर्षों से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन उन्हें अब तक स्थायित्व नहीं मिल पाया है। गर्ग ने सरकार से मांग की कि अतिथि शिक्षकों के हित में ठोस और त्वरित निर्णय लिया जाए, ताकि उनके भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। अतिथि शिक्षकों ने सरकार से मांग की है कि 18 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके शिक्षकों को तत्काल नियमित किया जाए। साथ ही वर्तमान मानदेय को बढ़ाकर वर्ग-03 के लिए 30 हजार, वर्ग-02 के लिए 40 हजार और वर्ग-01 के लिए 50 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए, ताकि वे सम्मानजनक जीवन यापन कर सकें। उन्होंने शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में भी राहत देने की बात कही है। शिक्षकों ने न्यूनतम उत्तीर्ण अंक 40 प्रतिशत करने, मेरिट में प्रति वर्ष 5 बोनस अंक (अधिकतम 50 अंक) जोड़ने तथा एक सत्र में न्यूनतम 100 दिवस कार्य पर 10 अंक और अधिकतम 180 अंक स्कोर कार्ड में शामिल करने की मांग रखी है। उनका तर्क है कि इससे वर्षों से सेवाएं दे रहे शिक्षकों को उचित अवसर मिल सकेगा। अतिथि शिक्षकों ने यह भी आग्रह किया है कि 2022-23 से 2024-25 के बीच विभिन्न कारणों से सेवा से बाहर हुए शिक्षकों का समायोजन रिक्त पदों पर किया जाए। इसके अलावा शिक्षक भर्ती में अनुभव के आधार पर अधिकतम 18 वर्ष की आयु सीमा में छूट देने, विद्यालयों में शैक्षणिक कार्य प्रभावित होने की स्थिति में अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने तथा महिला अतिथि शिक्षकों को सवैतनिक मातृत्व अवकाश प्रदान करने की मांग भी उठाई गई है। शिक्षकों ने वर्ष में आकस्मिक अवकाश (ब्स्/व्स्) देने और पूर्व की किसी भी शिक्षक भर्ती परीक्षा (2005, 2008, 2011, 2018, 2023) में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को अनुभव के आधार पर नियमित करने का सुझाव दिया है। साथ ही उन्होंने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 में पूर्व आदेश के अनुरूप ही भर्ती प्रक्रिया जारी रखने की बात कही है।

जिले की जनपद पवई एवं अजयगढ़ में 10 फरवरी 2026 को फाइलेरिया के बचाव हेतु दवा का सेवन

पन्ना। एमडीए कार्यक्रम के अंतर्गत 10 फरवरी 2026 से 25 फरवरी 2026 तक दवा सेवकों द्वारा भ्रमण करते हुये फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन जिले में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जहां जिले की पवई एवं अजयगढ में 10 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक दवा का सेवन कराया जायेगा। जिसमें 10 फरवरी से 13 फरवरी तक स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केन्द्र की संस्थाओं में बूथ बनाकर दवा का सेवन कराया जाना है वहीं दिनांक 14 फरवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 तक दवा सेवकों द्वारा घर-घर भ्रमण करते हुये फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराया जायेगा। साथ ही 21 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक माप अप राउण्ड के तहत छूटे हुये व्यक्तियों को फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराया जायेगा। इस तरह से इस कार्यक्रम के अंतर्गत दो वर्ष से ऊपर के समस्त जनसंख्या गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर शेष सभी को फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराये जाने को लेकर आवष्यक बताया गया है। कार्यक्रम के अंतर्गत तीन तरह की दवाईयों का सेवन करवाया जाना है। जिसमें एलबेन्डा जोल की एक गोली सभी को चबाकर खानी है डी.ई.सी. की गोली उम्र के अनुसार एवं आइवर मेग्टिन की गोली उंचाई के अनुसार खानी है दो से 5 से.मी. वर्ष के बच्चों को डी.ई.सी. की एक गोली 6 से 14 वर्ष के बच्चों को डी.ई.सी. की दो गोली एवं 15 वर्ष से ऊपर के बच्चों को डी.ई.सी. की तीन गोलियां खिलाई जानी है। इसी प्रकार 90 से.मी. से 119 से.मी. की ऊचाई वाले बच्चों को आइवर मेग्टिन की एक गोली 120 से.मी. से 140 से.मी. की ऊचाई वाले बच्चों को आइबर मेग्टिन की दो गोली 141 से.मी. से 158 सें.मी. की ऊचाई वाले व्यक्तियों को आइबर मेग्टिन की तीन गोली एवं 158 से.मी. से अधिक ऊचाई वाले व्यक्तियों को आइबर मेग्टिन की चार गोली का सेवन कराया जाना है इस तरह से फाइलेरिया से बचाव हेतु समस्त लक्षित जनसमुदाय को इस दवा का सेवन कराया जाना जरूरी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा आग्रह किया गया है जिससे फाइलेरिया संबंधी रोग से निजात को लेकर उक्त दवा का सेवन कराया जाना का जो लक्ष्य फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत तय माना जा रहा है।

गुनौर विधानसभा के लुहारगाव मंडलम में पंचायत कमेटियों का हुआ गठन

जिले के प्रभारी राजभान सिंह एवं विधासभा प्रभारी अशोक मिश्रा की स्थिति में हुआ गठन

गुनौर। कल पन्ना जिले की विधानसभा गुनौर 59 के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गुनौर अंतर्गत लुहरगांव मंडलम मे ग्राम पंचायत सिठौली, व ग्राम पंचायत लुहारगांव की पंचायत कमेटी का गठन किया गया मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी व जिला कांग्रेस कमेटी पन्ना के निर्देशन पर दिनांक 08 फरवरी को जिला संगठन प्रभारी राजभान सिंह व जिला अध्यक्ष अनीश खान के साथ विधानसभा गुनौरैप्त के प्रभारी आदरणीय अशोक कुमार मिश्रा की उपस्थिति मे सर्व प्रथम परम पूज्य बापू जी की प्रतिमा में माल्यार्पण कर नव नियुक्त मंडलम अध्यक्ष, सेक्टर अध्यक्ष, बीएलए 2, का परिचय कराकर सभी ग्राम वासियों की आम सहमति से सामाजिक समीकरण का ध्यान रखते हुए ग्राम पंचायत लुहारगांव व ग्राम पंचायत सिठौली की पंचायत कमेटी का गठन किया गया। कार्यक्रम उपरांत नगर परिषद गुनौर के वार्ड क्रमांक 03 में श्री गोरे लाल प्रजापति के घर मे हाल ही मे हुई आगजनी की घटना में उनकी पत्नी श्याम बाई की जलकर मौत हो गई थी व पति घायल हो गए थे, पीड़ति परिवार से जिला अध्यक्ष अनीस खान ने मिलकर पुलिस अधीक्षक पन्ना से फोन पर बात कर निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने व राहत राशि दिलाए जाने का भरोसा दिलाया, कार्यक्रम मे संगठन प्रभारी राजभान सिंह, अनीश खान,अशोक मिश्रा, राजबहादुर पटेल, सुरेंद्र सिंह ,ब्लॉक अध्यक्ष अरुण कुमार गौतम जीवनलाल सिद्धार्थ, कुलदीप सिंह डिघौरा, मानवेंद्र सिंह, सेवालाल पटेल, गणेश त्रिपाठी, प्रमोद त्रिपाठी, राजाजी, रूप नारायण द्विवेदी, जितेन्द्र सिंह, केशरी अहिरवार, रविन्द्र मिश्रा, श्रवण तिवारी,विष्णु शुक्ला बलीराम त्रिपाठी, प्रमोद सिंह राजपूत, मनोज पांडे, सौरभ गौतम रामचरण लोधी, सोमेश चौधरी,रामाधार लोधी,हीरालाल चौधरी,भजन पटेल, सुब्राज सिंह, हुकम लाल ढीमर, कमलेश पुरवार, श्यामू गुप्ता,राजेंद्र सिंह यादव, सुदीप कुशवाहा, ब्योमेश पटेल, लोकेश पटेल बालचंद्र पटेल राममिलन चौधरी सहित सैकड़ों की संख्या मे कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वात्सल्य अकादमी देवेंद्रनगर में जैन संतों का पावन आगमन

पूज्य 108 इन्द्रदत्त सागर जी एवं 108 हेमदत्त सागर जी महाराज की अमृतवाणी से बच्चों में संस्कारों का संचार

देवेन्द्रनगर। शनिवार, 7 फरवरी 2026 को देवेंद्रनगर स्थित वात्सल्य अकादमी स्कूल में आध्यात्मिक उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा से परिपूर्ण वातावरण देखने को मिला, जब जैन समाज के पूज्य संत श्री 108 इन्द्रदत्त सागर जी महाराज एवं श्री 108 हेमदत्त सागर जी महाराज का विद्यालय में पावन आगमन हुआ। संतों के आगमन से संपूर्ण विद्यालय परिसर भक्तिमय ऊर्जा और नैतिक चेतना से सराबोर हो उठा। पूज्य महाराजश्री ने अपने ओजस्वी एवं प्रेरक प्रवचनों के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन में संस्कार, संयम, अनुशासन, सत्य और करुणा के महत्व को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न होकर जीवन मूल्यों के विकास का माध्यम बने, तभी समाज का उज्ज्वल भविष्य निर्मित हो सकता है। महाराजश्री की अमूल्य वाणी से न केवल छात्र-छात्राएँ, बल्कि शिक्षकगण एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ भी भावविभोर एवं प्रेरित हुआ। विद्यालय परिवार एवं प्रबंधन समिति द्वारा संतों का परंपरागत एवं भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने स्वागत स्वरूप सांस्कृतिक नृत्य-गान की मनोहारी प्रस्तुतियाँ दीं तथा श्रीफल अर्पित कर पूज्य संतों के प्रति श्रद्धा प्रकट की। पूरा वातावरण भक्ति, अनुशासन और सांस्कृतिक चेतना का सुंदर संगम बन गया। कार्यक्रम का सधे हुए और गरिमामय ढंग से संचालन वात्सल्य अकादमी के प्राचार्य नितिन त्रिपाठी द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक दृष्टि और संस्कारपरक शिक्षा के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे संत समागम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में मील का पत्थर सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय प्रबंधन समिति की सक्रिय भूमिका रही। समिति अध्यक्ष प्रांजल साहू, उपाध्यक्ष आसिफ़ इक़बाल, कोषाध्यक्ष पलाश जैन तथा सचिव अजय विश्वकर्मा के समन्वित प्रयासों की उपस्थित जनसमूह एवं विद्यालय परिवार द्वारा सराहना की गई। सभी पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से संतों का आशीर्वाद प्राप्त कर विद्यालय के नैतिक एवं सांस्कृतिक विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

कार्यक्रम के समापन पर पूज्य महाराजश्री ने विद्यालय परिवार को उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वचन प्रदान किए। इस आध्यात्मिक अवसर ने विद्यार्थियों के मन में संस्कारयुक्त शिक्षा के प्रति नई चेतना और प्रेरणा का संचार किया, जो निश्चित रूप से उनके जीवन पथ को दिशा प्रदान करेगी।

दुर्लभ प्रवासी ब्लूथ्रोट की सलेहा क्षेत्र अंतर्गत पटना-तमोली में उपस्थिति दर्ज

हजारों किलोमीटर की उड़ान के बाद शीतकालीन प्रवास में पहुंचे ब्लूथ्रोट का अनूठा सौंदर्य

पन्ना। जिले के सलेहा क्षेत्र अंतर्गत पटना-तमोली में बर्ड वाचिंग के दौरान दुर्लभ प्रवासी पक्षी ब्लूथ्रोट कि उपस्थिति दर्ज की गई है। प्रकृति संरक्षण कार्यकर्ता अजय चौरसिया द्वारा ली गई स्पष्ट तस्वीरों के आधार पर क्षेत्र में इस आकर्षक प्रवासी पक्षी की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। ब्लूथ्रोट फ्लाईकैचर परिवार से संबंधित एक कीटभक्षी प्रवासी पक्षी है। यह प्रजाति यूरोप, पैलिआर्कटिक क्षेत्र तथा पश्चिमी अलास्का में पाई जाती है और शीत ऋतु में 8 से 10 हजार किलोमीटर तक की लंबी दूरी तय कर भारतीय उपमहाद्वीप तक पहुंचती है। लगभग 13 से 14 सेंटीमीटर लंबा यह पक्षी अपने विशिष्ट सौंदर्य के लिए जाना जाता है। नर ब्लूथ्रोट के गले पर मौजूद चमकीला नीला रंग, जिसके मध्य सफेद अथवा हल्का लाल धब्बा होता है, इसकी पहचान बनाता है। भूरी-स्लेटी पीठ और हल्के रंग का पेट इसके सौंदर्य को संतुलित रूप देता है। सलेहा क्षेत्र अंतर्गत पटनादृतमोली में दशकों से किए जा रहे प्रकृति संरक्षण प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अब जैव विविधता के रूप में सामने आ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, इतने लंबे प्रवास के बाद इस पक्षी का यहां ठहराव क्षेत्र की सुरक्षित पारिस्थितिकी का प्रमाण है। संरक्षण कार्यकर्ताओं का मानना है कि ब्लूथ्रोट जैसे दुर्लभ प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी भविष्य में और अधिक प्रजातियों के आगमन की संभावना को मजबूत करती है।

मेला प्रांगण ग्राम बनौली में बैठक का आयोजन आज 10 फरवरी को

कुंआताल मेले के आयोजन के संबंध में बैठक आयोजित 10 फरवरी को 11 बजे किये जाने को लेकर कलेक्टर ने किये निर्देष जारी

पन्ना। प्रतिवर्ष की तरह चैत्र नवरात्रि को कंकाली माता देवी पवित्र स्थान कुंआताल ग्राम पंचायत बनौली में जहां मेले के आयोजन को ध्यान में रखकर महत्वपूर्ण बैठक 10 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे मेला प्रांगण ग्राम बनौली में की जायेगी। जहां नियति समय में बैठक को ध्यान में रखते हुये समस्त अषासकीय एवं शासकीय सदस्यों को जानकारी प्रेषित की गई कलेक्टर के निर्देषानुसार अषासकीय सदस्य के रूप में विधायक पवई विधानसभा क्षेत्र प्रहलाद लोधी व सरपंच तथा सचिव ग्राम पंचायत बनौली तहसील सिमरिया वहीं मां कंकाली देवी मंदिर के पुजारी तथा थैलीदार जो अषासकीय सदस्य है वहीं शासकीय सदस्य के रूप में पुलिस अधीक्षक पन्ना मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत पन्ना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला पन्ना, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग एवं ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा तथा प्रधानमंत्री सड़क योजना म0प्र0 पूर्व विद्युत क्षेत्र वि.वि.कं.लि. पन्ना/पवई वहीं कार्यपालनयंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पन्ना अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पवई अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पवई तहसीलदार सिमरिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पवई, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद पवई, थाना प्रभारी कोतवाली सिमरिया इस तरह से कुंआताल मेले के आयोजन के संबंध में समस्त शासकीय सदस्यों को भी बैठक में अपने-अपने दायित्वों के निर्वाहन को लेकर इस बैठक में जहां व्यवस्थाओं को ध्यान में रखकर कलेक्टर ऊषा परमार के द्वारा आदेष जारी किया गया है। गौरतलब बात यह है कि चैत्र नवरात्रि दिनांक 19 मार्च 2026 से 02 अप्रैल 2026 तक 15 दिवसीय विषाल मेले का आयोजन प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी माना जा रहा है। वहीं लगभग 4 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान भी लगाया जा रहा है इस तरह से विधायक पवई के निर्देषों के पालन में 10 फरवरी 2026 को यह बैठक का आयोजन किया जा रहा है। जिससे मेले से संबंधित समस्त व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुये अग्रिम कार्यवाही होगी तय।

50 दिवस से अधिक लंबित सीएम हेल्पलाईन में प्रकरणों को जल्द से जल्द एक सप्ताह में करें निराकृत - कलेक्टर ऊषा परमार

पन्ना। कलेक्टर श्रीमती ऊषा परमार की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभागार में सप्ताहिक समयावधि की बैठक में जहां कलेक्टर श्रीमती ऊषा परमार ने सीएम हेल्पलाईन मामलों को प्रमुखता से लेते हुये 50 दिवस से अधिक लंबित सीएम हेल्प लाईन प्रकरणों को जल्द से जल्द एक सप्ताह में निराकृत करने के लिये निर्देष दिये है। साथ ही कलेक्टर एवं कमिष्नर कांग्रेस में हुई समीक्षा बैठक में सभी विभागों से अपेक्षित कार्यवाही में तेजी लाने को निर्देष दिये गये है पोषण समिति की बैठक समय पर करवाने के लिये निर्देषित किया गया है। संपूर्णता अभियान के तहत आकांक्षी विला के कार्यों को मार्च तक पूर्ण कराने को लेकर कहा गया। पशु पालन विभाग को निर्देष देते हुये टीकाकरण के कार्य में लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करें। संकल्प से समाधान अभियान के तहत संबंधित विभागों द्वारा समय सीमा में अपेक्षित प्रगति लाये जाने को लेकर जोर दिया गया है। सभी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सभी पात्र हितग्रहियों तक पहुंचाना सुनिष्चित करें। ऑनलाईन एवं आफ लाईन माध्यम से प्रापत आवेदनों को अविलम्ब पोर्टल पर इंट्री अवष्य करायें वहीं इस दौरान किसानों के फार्मर आईडी के कार्य में तेजी लाने के लिये भी निर्देषित किया गया। इसके साथ-साथ बैठक में समस्त विभागीय अधिकारियों को आदतन जानकारी के साथ उपस्थित रहने के लिये भी कहा गया है। 15 फरवरी से वरिष्ठ नागरिकों के क्लस्टर वार षिवर लगायें एवं क्लस्टर की जानकारी जनप्रतिनियों के साथ भी साक्षा करें। कलेक्टर ने सीएमओ को पन्ना शहर के लिये बायपास रोड से कचरा हटाने संबंधी कार्यवाही की जानकारी ली इतना ही नहीं बैठक में कलेक्टर ऊषा परमार द्वारा आगामी समाधान ऑनलाईन कार्यक्रम के विषयों न्यायाधीन प्रकरणों में जवाबदाबा, पोषण पुर्नवास केन्द्रों की वांछित कार्यवाही समय पर पूर्ण करने पर भी जोर दिया गया। इस तरह से टीएल बैठक में खाद्धान्न आवंटन के विरूद्ध उठाव एवं वितरण की समीक्षा भी की गई। वहीं मध्यान्ह भोजन सहित पीडीएस के तहत समय पर खाद्धान्न पहुंचाना सुनिष्चित करने तथा उद्देष्य से वाहनों की मॉनीटरिंग के निर्देष दिये गये इस तरह से जहां बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उमराव सिंह मरावी एवं अपर कलेक्टर मधुवन्त राव धुर्वे सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ऊषा परमार की उध्यक्षता जहां टीएल बैठक में प्रमुखता से सभी अधिकारियों को दायित्वों के निर्वाहनों को लेकर जोर दिया गया है।

पवई रेंज ऑफिसर के कैमरे में कैद हुआ बार-हेडेड गूज, दक्षिण पन्ना में दिखी प्रवासी पक्षी की दुर्लभ मौजूदगी

कम ऑक्सीजन में भी लंबी दूरी तय करने की अद्भुत क्षमता

दुनिया के सबसे ऊंची उड़ान भरने वाले पक्षियों में शामिल

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमण्डल अंतर्गत पवई रेंज के सुनेही बीट में पवई रेंज ऑफिसर नितेश पटेल द्वारा बार-हेडेड गूज (ठंत-ीमंकमक ळववेम) का अवलोकन एवं फोटोग्राफी की गई। इस पक्षी की उपस्थिति क्षेत्र की आर्द्रभूमियों की पारिस्थितिक महत्ता को दर्शाती है और यह संकेत देती है कि यहां का प्राकृतिक आवास प्रवासी पक्षियों के लिए अनुकूल बना हुआ है। वन विभाग द्वारा इस तरह के दुर्लभ पक्षियों के संरक्षण एवं निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बार-हेडेड गूज विश्व के सबसे ऊंची उड़ान भरने वाले पक्षियों में गिनी जाती है, जो मध्य एशिया और तिब्बत क्षेत्र से हजारों किलोमीटर की यात्रा कर भारत की आर्द्रभूमियों तक पहुंचती है। यह पक्षी हिमालय के ऊपर अत्यधिक ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन वाले वातावरण में भी उड़ान भरने की अद्भुत क्षमता रखता है। इसकी मौजूदगी न केवल जैवविविधता की समृद्धि को दर्शाती है, बल्कि जलाशयों की स्वच्छता और सुरक्षित आवास की स्थिति का भी सकारात्मक संकेत मानी जाती है।

वन कर्मियों की तत्परता से सियार के हमले में घायल व्यक्ति को समय पर मिला उपचार

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमण्डल अंतर्गत पवई रेंज में वन कर्मियों की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई का उदाहरण सामने आया है। सिजाहटी निवासी जगरूप सिंह को सियार के काटने से घायल होने पर वन रक्षक प्रकाश सिंह एवं विनय सिंह ने तत्काल मौके पर पहुंचकर उन्हें अपने निजी वाहन से पवई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उनका समय पर उपचार कराया गया। घायल व्यक्ति को उपचार के दौरान वन कर्मियों द्वारा तात्कालिक राहत स्वरूप प्राथमिक सहायता राशि भी प्रदान की गई। वन विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वन्यजीवों से जुड़ी किसी भी घटना या आपात स्थिति की जानकारी तुरंत विभाग को दें, ताकि शीघ्र सहायता और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

खबर संक्षेप

अनियंत्रित ट्रैक्टर पुलिस चौकी परिसर में पेड़ से टकराया, चालक की मौत

घुवारा। घुवारा नगर में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पुलिस चौकी घुवारा के परिसर में घुस गया और वहां लगे आंवले के पेड़ से जा टकराया। हादसे में चालक ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान कलू उर्फ रघुवीर यादव, निवासी धर्मपुरा, घुवारा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर चालक धर्मपुरा गांव से घुवारा की ओर आ रहा था। ट्रैक्टर के साथ मैसी और थ्रेसर मशीन भी जुड़ी हुई थी। अचानक संतुलन बिगडने से ट्रैक्टर सड़क से उतरकर पुलिस चौकी परिसर में जा घुसा। हादसे के समय राहत की बात यह रही कि न तो कोई राहगीर मौके पर मौजूद था और न ही पुलिस चौकी परिसर में कोई पुलिसकर्मी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

सूचना मिलने पर डायल 112 की मदद से घायल चालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुवारा ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर रमाकांत तिवारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, घुवारा , ट्रैक्टर चालक को जब अस्पताल लाया गया, तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। प्राथमिक जांच में अत्यधिक गंभीर चोटें पाई गईं। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बकस्वाहा में कॉलेज के पास सड़क हादसा,1 की मौत

बकस्वाहा। बकस्वाहा थाना क्षेत्र अंतर्गत दमोह रोड स्थित कॉलेज के पास सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सामने से पैदल आ रहे युवक से टकरा गई, जिससे बाइक चालक सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में बाइक चालक पवन रिछारिया उम्र 27 वर्ष, निवासी दमोह और पैदल चल रहे आमिर शेख, निवासी कोलकाता, जो वर्तमान में बकस्वाहा के एक स्टोन क्रेशर में काम करते थे, घायल हो गए। दोनों घायलों को तत्काल बकस्वाहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

कलेक्टर-एसपी ने कन्या विवाह के मद्देनजर बागेश्वर धाम में लॉ एंड ऑर्डर के संबंध में निरीक्षण किया

छतरपुर। बागेश्वर धाम ग्राम गढ़ा में आयोजित होने वाले सामूहिक कन्या विवाह महोत्सव के मद्देनजर लॉ एंड ऑर्डर एवं वीआईपी मूवमेंट होने पर प्रोटोकॉल के संबंध में सोमवार को कलेक्टर पार्थ जैसवाल एवं एसपी अगम जैन ने कन्या विवाह स्थल का निरीक्षण किया। साथ ही सुरक्षात्मक एवं आमजनता की मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया और धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री से आयोजन के संबंध में आवश्यक चर्चा की। इस दौरान राजनगर विधायक अरविंद पटैरिया, जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने हेलीपेड स्थल, मुख्य मंच स्थल, ग्रीन रूम आदि स्थलों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निकाय एवं पंचायतों एवं अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देश दिए कि धाम में सभी जल स्त्रोतों आदि की वॉटर टेस्टिंग के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारी को सभी ढाबों, दुकानों एवं होटलों आदि में फूड सैम्पलिंग कराने और जांच कराने के निर्देश दिए।

केन बेतवा के विस्थापितों की आवाज उठाने पर समाजसेवी अमित भटनागर गिरफ्तार

आदिवासी महिलाओं का एलान जब तक अमित भटनागर को पुलिस नही छोड़ेगी, तब तक 15 गांव में नहीं जलेगा चूल्हा

छतरपुर।

जिले के ढोढन गांव में केन बेतवा लिंक परियोजना का बांध बनाया जा रहा है और नहर निकाली जाना है। लेकिन इससे जिन गांव के लोग प्रभावित हो रहे है उन्हें सही मुआवजा नहीं दिया जा रहा और सही मुआवजा व विस्थापन की मांग को लेकर ग्रामीण आंदोलन कर रहे है। केन बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित होने वाले ग्रामीणो की आवाज उठाने वाले समाजसेवी अमित भटनागर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस घटना के बाद से प्रशासन पर दमनकारी नीति के आरोप लग रहें है। आदिवासी महिलाओं द्वारा मुंह में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया जा रहा था। आदिवासी महिलाओं के प्रदर्शन के कारण पाचवें दिन भी ढोढन बांध का काम बंद रहा। भारी पुलिस बल ने सोमवार की सुबह सामाजिक कार्यकर्ता को उसके घर से गिरफ्तार किया है। ढोढन बांध स्थल पर आदिवासी महिलाओं ने मुंह पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया और उन्होंने एलान किया जब तक पुलिस अमित भटनागर को नही छोड़ेगी, तब तक 15 गांव में चूल्हा नहीं जलेगा। केवल इतना ही नही जब तक उनके अधिकारों की कानूनी गांरटी नहीं मिलेगी तब तक यह आंदोलन समाप्त नही होगा। महिलाओं ने प्रशासन के विरूद्व जोरदार नारेबाजी की। महिलाओं ने प्रशासन पर आरोप लगाया है कि कानून की खुली अनदेखी की जा रही है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि प्रशासन की मनमानी बहुत हो गई अब मनमानी व तानाशाही बर्दाश्त नहीं करेगें। महिलाओं ने साफ कहा कि यह संघर्ष केवल मुआवजे तक सीमित नहीं है बल्कि जल, जंगल जीवन और संबैधानिक अधिकारों की रक्षा की लड़ाई है. उनका कहना है कि जब तक उनके हक और अधिकार सुनिश्चित नहीं किए जाते तब तक वह बांध स्थल से हटने वाली नही है।

प्रशिक्षु डीएसपी पर लग रहे गंभीर आरोप

ग्रामीणों की आवाज उठाने वाले आप नेता अमित भटनागर को बिजावर थाना प्रभारी एवं प्रशिक्षु डीएसपी हर्ष राठौर द्वारा गिरफ्तार किया गया। जिससे उन पर लेनदेन के गंभीर आरोप लग रहे है। रेत से भरे टे्रक्टर छोडने तो कहीं अन्य मामलों में लेनदेन की चर्चाओं का बाजार गर्म है. इस तरह के आरोपों से पुलिस प्रशासन की छबि खराब हो रही है।

फायलेरिया उन्मूलन अभियान

आज से जिले के 3 ब्लॉक की लक्षित्त जनसंख्या 824445 को फाइलेरिया विभाग द्वारा हाथी पांव की दवा खिलाई जाएगी

छतरपुर। राष्ट्रीय मिशन भोपाल के निर्देशानुसार छतरपुर जिले में राष्ट्रीय फायलेरिया कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 10 फरवरी से शुरू होकर 25 फरवरी तक चलेगा। जिसमें 2 वर्ष से ऊपर की जिले की समस्त आबादी को सार्वजनिक रूप से डीईसी एवं एल्वेण्डाजोल गोली व आईवरमैक्टिन दवा का सेवन आयु अनुसार कराया जाएगा। जिससे फायलेरिया रोग (हाथी पांव) की बिमारी से छतरपुर की जनता को रोग मुक्त कराया जा सके। राष्टीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल के आदेशानुसार जिले के 3 ब्लॉक नौगांव, राजनगर बिजावर एवं ईशानगर के एक उपस्वाथ्य केन्द्र में फायलेरिया दवा का सेवन 10 फरवरी से 24 फरवरी तक सार्वजनिक रूप से कराया जाएगा। दवा सेवन कराने की समस्त तैयारियां पूरी कर ली गई। जिले के 3 ब्लॉक की लक्षित्त जनसंख्या 824445 को दवा का सेवन कराने हेतु कुल 3330 दवा सेवक एवं सुपरवाईजर 367 नियुक्ति किए गए है। जो पहले 3 दिवस स्कूल,कॉलेज एवं हार्स्टल बस स्टैण्ड रेल्वे स्टेशन पर दवा का सेवन कराएंगे। इसके बाद 6 दिवस घर-घर जाकर दवा का सेवन कराएंगे। अपराउण्ड 3 दिन में एक दिन स्कूल, कॉलेज व 2 दिन घर घर जाकर छूटे हुए व्यक्तियों को अपने समक्ष दवा का सेवन कराया जाएगा। फायलेरिया इंस्पेक्टर दिनेश कुमार पटैरिया ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि शासन के इस अभियान में सहयोग करें और फायलेरिया की दवा का सेवन कर हाथी पांव की बीमारी से मुक्ति पाएं।

अवैध रेत से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने नवविवाहित जोड़े की कार को मारी टक्कर, दूल्हा-दुल्हन समेत 4 गंभीर घायल

छतरपुर। जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने नवविवाहित जोड़े के सपनों पर पानी फेर दिया। लवकुश नगर थाना क्षेत्र के बसंतपुर तिराहे के पास अवैध रेत से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बारात से लौट रही वेन्यू कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में दूल्हा-दुल्हन सहित दूल्हे के फूफा और एक अन्य रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार सरबई गांव में संपन्न हुए विवाह के बाद दूल्हा अमित अहिरवार और दुल्हन प्रभा अहिरवार को लेकर कार उनके घर की ओर जा रही थी। तभी सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली ने कार के आगे के हिस्से में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों को निकालकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार सभी घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, लेकिन फिलहाल वे खतरे से बाहर हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रही थी और चालक ने तेज रफ्तार के कारण नियंत्रण खो दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त कर लिया है और आरोपी की तलाश जारी है।

नीतेन्द्र कुमार खरे के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने मागों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

छतरपुर। समस्त स्वास्थ्य कर्मचारी महासंघ ने द्वितीय चरण में नीतेन्द्र कुमार खरे के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम अपनी प्रमुख मागों का ज्ञापन सौंपा। महासंघ के सभी पदाधिकारियों ने सोमवार को छतरपुर विधायक ललिता यादव और राजनगर विधायक अरविंद्र पटैरिया को अपनी प्रमुख मागों को लेकर ज्ञापन दिया। जनप्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य कर्मचारी महासंघ की मागों को जायज मानते हुए उनकी मागों को शीघ्र पूरा कराने का आश्वासन दिया। संघ के मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि उनका यह आंदोलन चरण बद्व तरीके से चल रहा है। प्रथम चरण में 2 फरवरी को ज्ञापन दिया गया था अगले चरण में 16 एवं 17 फरवरी को काली पट्टी बांधकर कार्य करेगें। 23 फरवरी को एनएचएम कार्यालय में प्रदर्शन और उपमुख्यमंत्री स्वास्थ्य को ज्ञापन दिया जाएगा। 24 फरवरी को स्वास्थ्य संचानालय पर प्रदर्शन कर न्याय यात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री से गुहार लगायेगे। 26 फरवरी को अपने कार्य से 1 घंटा और 27 फरवरी को 2 घंटा अतिरिक्त कार्य कर मरीजों की सेवा करेगे तथा 28 फरवरी को सद्वबुद्वि यज्ञ सुदंरकाड का पाठ किया जाएगा। यदि इसके बाद भी समयसीमा में मांगों का निराकरण नहीं किया गया, तो मजबूर होकर प्रदेश व्यापी हड़ताल की जाएगी।

मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर कार्यालय में सौंपा ज्ञापन, मेला ग्राउंड से निकाली रैली

तालाबों पर मछली माफियाओं के अवैध कब्जे के खिलाफ युवा रैकवार समाज ने किया प्रदर्शन

छतरपुर। जिले में तालाबों पर मछली माफियाओं द्वारा किए जा रहे अवैध कब्जे और मछली पालन के ठेकों में अनियमितताओं के खिलाफ युवा रैकवार समाज ने आज जोरदार प्रदर्शन किया। समाज के युवाओं ने मेला ग्राउंड से एकत्र होकर रैली निकाली और नारेबाजी करते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री के नाम एक लिखित आवेदन सौंपा गया।

रैली में बड़ी संख्या में युवा रैकवार समाज के सदस्य शामिल हुए। उक्त प्रदर्शन समाज के जिला अध्यक्ष राम रैकवार ने नेतृत्व किया और तालाबों को माफियाओं से मुक्त कराने की मांग की। ज्ञापन में मांग की गई है कि जिले के तालाबों पर अवैध कब्जे तत्काल हटाए जाएं, मछुआ नीति का सख्ती से पालन कराया जाए और मछली पालन के अधिकार परंपरागत रूप से समाज के लोगों को दिए जाएं, न कि माफियाओं या उनके चहेतों को।

युवा रैकवार समाज के सदस्यों ने कहा कि तालाबों पर मछली माफियाओं का कब्जा समाज के पारंपरिक अधिकारों का हनन है, जिससे हजारों परिवारों की आजीविका प्रभावित हो रही है। उन्होंने प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की अपील की और चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। कार्यक्रम में राम रैकवार सहित समाज के अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

मेमो ट्रेन से कटा युवक का पैर गंभीर हालत में ग्वालियर रेफर

ईशानगर। ईशानगर थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन पर सुबह करीब 5 बजे एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें एक युवक ट्रेन के नीचे आ गया। हादसे में युवक का एक पैर कट गया। घायल की पहचान देवेंद्र उर्फ मुन्नू विश्वकर्मा के रूप में हुई है, जो ईशानगर का निवासी है।

जानकारी के अनुसार युवक सुबह मेमो ट्रेन पकडऩे के प्रयास में ट्रेन के नीचे आ गया। घटना सुबह लगभग 5 से 5:15 बजे के बीच हुई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत डायल-112 को सूचना दी। डायल-112 की टीम, जिसमें आरक्षक धर्मेंद्र मिश्रा और पायलट सूरज अहिरवार शामिल थे, तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ने घायल युवक को तुरंत एफआरव्ही की मदद से जिला चिकित्सालय छतरपुर पहुंचाया। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने युवक की हालत को देखते हुए उसे ग्वालियर रेफर कर दिया। घायल की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। डायल-112 टीम ने बताया कि सूचना मिलते ही उन्होंने त्वरित कार्रवाई की और घायल को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया। पुलिस और प्रशासन हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

महात्मा करते हैं धर्म की रक्षा

बागेश्वर महाराज कन्या विवाह महोत्सव की भागवत कथा का चतुर्थ दिवस

छतरपुर। बागेश्वर धाम में महाकुंभ की शुरुआत हो चुकी है। 10 दिवसीय बृहद धार्मिक आयोजन के तहत श्रीमद् भागवत महापुराण की पावन रस धारा बागेश्वर महाराज के मुखारविंद से बह रही है। कथा क्रम के चौथे दिवस बागेश्वर महाराज ने कहा कि जीवात्मा का परमात्मा से मिलन ही जीवन का सार है। उन्होंने कहा कि धर्म की रक्षा का दायित्व महात्मा का होता है, इसीलिए कहते हैं कि महात्मा का दर्शन करने से परमात्मा के दर्शन होते हैं।

इन दिनों बागेश्वर धाम में लगातार धार्मिक अनुष्ठान और आयोजन हो रहे हैं। 6 फरवरी से शुरू हुई श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन महाराज श्री ने कथा प्रेमियों को जीवन का सार समझाया। उन्होंने महापुराण के प्रसंग की व्याख्या करते हुए कहा कि नर में नारायण की सेवा और नारायण का भजन जिसके चित्त में उतर गया, समझ लीजिए उसका कल्याण हो गया। श्रीमद् भागवत महापुराण और कुछ नहीं स्वयं ठाकुर जी हैं, भक्त और भगवान की चर्चा ही श्रीमद् भागवत महाकथा है। कथा के अवसर पर सुदामा कुटी श्री धाम वृंदावन से सुतीक्ष्ण दास महाराज, दंदरौआ धाम से रामदास महाराज, राम स्नेही जी, वेदानंद गिरी जी, रामकृष्ण मिशन जयपुर के एकनिष्ठ दास, मृदुल बिहारी जी, यज्ञ सम्राट बाल योगेश्वर दास महाराज, कुंदन लाल महंत जी, ओमप्रकाश महाराज, हरि शंकर दुबे जी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विधायक, कलेक्टर, एसपी ने की व्यवस्थाओं की समीक्षा -

बागेश्वर धाम में सप्तम कन्या विवाह महाकुंभ के अवसर पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु आ रहे हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के आने की भी सूचना है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल, एसपी अगम जैन, क्षेत्रीय विधायक अरविंद पटेरिया ने अधिकारियों के साथ हेलीपैड से लेकर आयोजन स्थल तक की सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। सुरक्षा की दृष्टि से विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी ली गई। अधिकारियों ने कलेक्टर को अब तक की गई व्यवस्थाओं से अवगत कराया। बागेश्वर धाम आने वाले लोगों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। दूषित सामग्री का इस्तेमाल न हो इस लिहाज से भी पानी और भोजन की सैंपलिंग ली गई।

---

8 लाख की नाली बनी गंदगी का गड्ढा, वार्ड 38 में भ्रष्टाचार की बू

नगर निगम सिंगरौली की लापरवाही से जनता बेहाल नाली में भरा सड़ा पानी बीमारियों का खतरा

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली द्वारा वार्ड क्रमांक 38 में लगभग 8 लाख 20 हजार रुपये की लागत से बनाई गई नई पीसीसी नाली अब जनता के लिए राहत नहींए बल्कि मुसीबत का सबब बन चुकी है। लिटिल फ्लावर स्कूल से वैढ़न विधानसभा क्षेत्र तक बनाई गई यह नाली निर्माण के महज़ एक माह के भीतर ही सवालों के घेरे में आ गई है। स्थानीय रहवासियों के अनुसार नाली का निर्माण घोर लापरवाही और तकनीकी खामियों के साथ किया गया है। करीब 150 फीट लंबी नाली में 6 इंच तक गंदा पानी भरा हुआ हैए जबकि आगे लगभग 100 फीट हिस्से में 4 इंच तक बदबूदार पानी जमा है। इससे साफ जाहिर होता है कि नाली की ढलान और निकासी व्यवस्था पूरी तरह विफल है।

सरकारी पैसे की बर्बादी या खुला खेलद्य

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि नाली के पास पूर्व निर्मित सड़क पर एक ईंट रखकर नाली को ढकने का कथित प्रयास किया गयाए जिसे स्थानीय लोग सिर्फ दिखावा बता रहे हैं। सवाल उठता है कि क्या यह सरकारी राशि के दुरुपयोग का मामला नहीं है

बीमारियों का खतराए लोग दहशत में

नाली में लगातार भरे गंदे पानी से मच्छरए दुर्गंध और संक्रामक बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। आसपास रहने वाले लोग डर के साये में जीने को मजबूर हैं। बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर इसका सीधा असर पड़ रहा है।

जिम्मेदार कौनद्य अधिकारी चुप क्यों

रहवासियों का आरोप है कि यह पूरा कार्य नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से किया गया है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता की न तो जांच हुई और न ही समय पर सुधार।

अखबार से गुहारए प्रशासन से सवाल

वार्ड 38 के रहवासियों ने मीडिया के माध्यम से प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए मांग की है कि इस नाली निर्माण की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए दोषी अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई हो नाली में तत्काल सुधार कर गंदे पानी की निकासी सुनिश्चित की जाए अब बड़ा सवाल यह है कि क्या नगर निगम सिंगरौली जनता के पैसे का जवाब देगा या फिर 8 लाख की यह नाली यूँ ही भ्रष्टाचार की मिसाल बनी रहेगी

ध्वनि प्रसारण यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध

छतरपुर।

जिला मजिस्ट्रेट छतरपुर पार्थ जैसवाल द्वारा छात्रों की वार्षिक परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए ध्वनि प्रसारण यंत्रों के उपयोग पर 17 मार्च 2026 तक प्रतिबंध लगाया गया है। यह आदेश म.प्र. कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 10(2) के तहत जारी किया गया है। इस आदेश का उल्लंघन पाए जाने पर कड़ी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जाएगी। विशेष आयोजनों के अवसर पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति देने के लिए अनुविभाग के अनुविभागीय दण्डाधिकारी को अधिकृत किया गया है। साथ ही तहसील महाराजपुर, चंदला, गौरिहार, घुवारा, बक्सवाहा के लिए तहसीलदार को अधिकृत किया है। जिनकी अनुमति प्राप्त होने पर दिन के समय केवल 45 डी.बी. तथा रात्रि में केवल 40 डी.बी. से अधिक ध्वनि प्रसारण नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन होने पर प्रसारण यंत्र एवं वाहन राजसात किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

कन्या विद्यालय के मुख्य गेट पर पोस्टमार्टम हाउस निर्माण का विरोध

रीवा। जिले के सिरमौर तहसील में प्रस्तावित पोस्टमार्टम हाउस के निर्माण स्थल को लेकर विरोध के स्वर तेज हो गए हैं,पोस्टमार्टम हाउस का निर्माण सिरमौर स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार पर कराया जा रहा है, जिससे विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं की सुरक्षा, मानसिक स्थिति और आवागमन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इस मुद्दे को गंभीर मानते हुए विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य ने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) सिरमौर को लिखित आपत्ति सौंपते हुए पोस्टमार्टम हाउस के निर्माण को किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की है। प्राचार्य द्वारा दिए गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सिरमौर तहसील क्षेत्र में स्वास्थ्य केंद्र, तहसील कार्यालय और शासकीय कन्या विद्यालय आपस में सटे हुए हैं। वर्तमान में पोस्टमार्टम हाउस का निर्माण जिस स्थान पर किया जा रहा है, वही कन्या विद्यालय का मुख्य गेट है। ऐसे में छात्राओं को विद्यालय आने-जाने के दौरान न केवल असुविधा का सामना करना पड़ेगा, बल्कि पोस्टमार्टम से जुड़ी गतिविधियों का मनोवैज्ञानिक असर भी छात्राओं पर पड़ सकता है। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि कन्या विद्यालय एक संवेदनशील शैक्षणिक संस्थान है, जहां सैकड़ों छात्राएं अध्ययन करती हैं। पोस्टमार्टम हाउस जैसी गतिविधियों का ठीक विद्यालय के प्रवेश द्वार पर होना छात्राओं के लिए असहज, भय उत्पन्न करने वाला और अनुचित है। इससे स्कूल का शैक्षणिक वातावरण भी प्रभावित होने की आशंका है। प्राचार्य ने यह भी कहा कि शासन के पास पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, जहां पोस्टमार्टम हाउस का निर्माण विद्यालय परिसर से दूर कराया जा सकता है। ऐसे में प्रशासन को छात्राओं के हित और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए निर्माण स्थल पर पुनर्विचार करना चाहिए। वहीं इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी सिरमौर ने विद्यालय प्रबंधन की आपत्ति को गंभीरता से लेते हुए मामले को जिला कलेक्टर के संज्ञान में लाने की बात कही है। एसडीएम के अनुसार, पोस्टमार्टम हाउस के निर्माण स्थल को लेकर अंतिम निर्णय जिला कलेक्टर द्वारा लिया जाएगा।

कियोस्क संचालकों की मनमानी की समिति करेगी जाँच

रीवा । कियोस्क संचालकों द्वारा गरीब और कम जागरूक खाताधारकों से कियोस्क मशीन पर अंगूठा लगवाकर अनैतिक रूप से राशि आहरण की कई शिकायतें मिली हैं। कियोस्क संचालकों द्वारा ई केवाईसी के नाम पर भी खाताधारकों को परेशान किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कियोस्क संचालकों की मनमानी की जाँच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है। समिति में अग्रणी बैंक प्रबंधक जगमोहन, संयुक्त संचालक योजना एवं सांख्यिकी अनिल दुबे तथा जिला प्रबंधक लोक सेवा केन्द्र रविकांत पाण्डेय को शामिल किया गया है। समिति को मामले की जाँच कर तथ्यात्मक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने तहसील कार्यालय मनगवां का किया निरीक्षण

रीवा । कलेक्टर प्रतिभा पाल ने क्षेत्र में भ्रमण के दौरान तहसील कार्यालय मनगवां का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कहा कि सभी पीठासीन अधिकारी लंबित राजस्व प्रकरणों की नियमित सुनवाई करके उनका निराकरण करें। नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के प्रकरण निर्धारित समय सीमा में निराकृत करें। प्रकरणों के समय सीमा से बाहर होने पर अर्थदण्ड की कार्रवाई की जाएगी। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य लगभग पूरा हो गया है। अब सभी अधिकारी राजस्व कार्यों पर ध्यान दें। राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज करने के साथ कार्यालय की दायरा पंजी में भी अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। एसडीएम राजस्व प्रकरणों के निराकरण की नियमित समीक्षा करें। खसरे में सुधार, नक्शा तरमीम तथा प्राकृतिक आपदा के राहत प्रकरणों पर विशेष ध्यान दें। कलेक्टर ने अधिकारियों को संकल्प से समाधान अभियान, उचित मूल्य दुकानों तथा अस्पतालों के निरीक्षण के संबंध में निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम मनगवां संजय जैन, जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस आशीष दुबे तहसीलदार आंचल अग्रहरि, तहसीलदार अजय मिश्रा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वैवाहिक कार्यक्रमों के चलते शहर में शाम होते ही लग जाता है जगह-जगह जाम

बारातघरों में सड़कों के भरोसे पार्किंग, ट्रैफिक जाम से राहगीर परेशान

रीवा।

शहर में सड़कों के किनारे संचालित बारातघर इन दिनों ट्रैफिक जाम का प्रमुख कारण बने हुए हैं। इन स्थानों पर वैवाहिक कार्यक्रमों की वजह से बड़ी संख्या में वाहन आ रहे हैं और वाहनों की पर्याप्त पार्किंग नहीं होने की वजह से सड़कों को ही वाहन पार्किंग बनाया जा रहा है। इस वजह से ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। बता दें कि शहर में चोरहटा से लेकर रतहरा के बीच सड़क किनारे करीब 30 से अधिक विवाह घर हैं, जिसकी वजह से मुख्य सड़क वाहनों के अधिक खड़े होने के कारण लोगों को आवाजाही में परेशानी होती है। शहर में मैरिज हाल संचालित किए जाने के निर्धारित नियमों की खुले तौर पर अनदेखी की जा रही है, जिसकी वजह से लगातार नए प्रतिष्ठान भी खुल रहे हैं और उनमें वाहन पार्किंग की सुविधा नहीं होती। इसकी शिकायतें भी लगातार लोगों की ओर से की जा रही हैं। लेकिन नगर निगम प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। बारातघरों के लिए पहली अनिवार्यता चार हजार वर्गमीटर स्थान की है। शहर में कुछ चिन्हित बारातघर ही इस मानक को पूरा कर रहे हैं। कम क्षेत्रफल वाले स्थानों वैवाहिक कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके साथ ही क्षमता के अनुरूप वाहन पार्किंग, फायर फाइटिंग सिस्टम सहित अन्य कई महत्वपूर्ण शर्तों का पालन नहीं हो रहा है फिर भी बारातघर संचालित हो रहे हैं। कुछ समय पहले ही शासन ने नियम बनाया है कि हर बारातघर को निर्धारित शर्तों का पालन करने के बाद लाइसेंस जारी किया जाएगा और जो बिना लाइसेंस के संचालित होंगे उन्हें सीज किया जाएगा। पूर्व के वर्षों में इसको लेकर प्रक्रिया भी शुरू की गई थी और कुछ अवैधानिक बारातघरों को बंद भी किया गया था लेकिन राजनीतिक पहुंच के प्रभाव की वजह से इन्हें फिर से खोल दिया गया है। इन दिनों वैवाहिक सीजन चल रहा है। इस कारण हर बारातघर में बड़ी संख्या में वाहनों से लोग पहुंचते हैं। इनके खड़े होने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण सड़क पर ही खड़े किए जाते हैं। शाम के समय ट्रेनों का समय भी होता है, इस कारण रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले वाहनों की संख्या भी बढ़ती है।उज्जैन की तर्ज पर जारी करना है लाइसेंसरीवा नगर निगम में बारातघरों के संचालन में मनमानी की वजह से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जहां से कोर्ट ने उज्जैन की तर्ज पर रीवा सहित पूरे प्रदेश में बारातघरों को लाइसेंस जारी करने के निर्देश दिए थे। लाइसेंस जारी करने से पहले शर्तों का परीक्षण कराने के लिए भी कहा गया था। उस समय कोर्ट में जवाब देना था जिसकी वजह से कुछ स्थानों पर लाइसेंस देने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। रीवा शहर में करीब दर्जनभर संख्या में बारातघरों को उसी समय लाइसेंस जारी हुआ था और नियमों का पालन नहीं करने वालों को बंद करने का नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद से प्रक्रिया अधर में अटकी हुई है।इन मानकों का नहीं किया जा रहा पालनसड़क की चौड़ाई न्यूनतम 40 फीट अनिवार्य है,वाहन पार्किंग व्यवस्था कुल क्षेत्रफल के कम से कम 30 प्रतिशत,हिस्से में अनिवार्य, विवाह स्थल पर यातायात को बाधित होने से रोकने के लिए निर्धारित संख्या में सुरक्षा गार्ड, भवन क्षमता के अनुसार अग्निशमन यंत्रों की व्यवस्था, महिला-पुरुषों के लिए पर्याप्त शौचालय की व्यवस्था,परिसर में आने और जाने के दो रास्ते अनिवार्य,कचरा संधारण एवं गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था,बिजली, पानी तथा इमरजेंसी लाइट की पर्याप्त व्यवस्था,वाटर हार्वेस्टिंग की पर्याप्त व्यवस्था, भोजन बनाने वाले जगह की पर्याप्त व्यवस्था, पार्क, विद्युत कनेक्शन, जनरेटर, आतिशबाजी के स्थान का इंतजाम होना जरूरी।

गलत डाटा दर्ज करना आपराधिक कृत्य और पाप है : कलेक्टर

गलत जानकारी दर्ज करने से गर्भवती महिला की जा सकती है जानकलेक्टर ने गंगेव में की स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा

रीवा।

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने गंगेव जनपद कार्यालय सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य सूचकांकों को बेहतर करने के लिए लगातार और तत्परता से प्रयास करना आवश्यक है। सभी चिकित्साकर्मी मानवीय संवेदना और सेवाभाव के साथ रोगियों का उपचार करें। एएनएम, आशा कार्यकर्ता के माध्यम से गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन कराएं। केवल समग्र आईडी दर्ज करने से ही महिला का पूरा विवरण दर्ज हो जाता है। गर्भवती महिला की समय पर जाँच करें तथा उसके ब्लडप्रेशर, वजन, कद एवं हीमोग्लोबिन की सही जानकारी ऑफलाइन और अनमोल पोर्टल पर दर्ज करें। पोर्टल में यदि गर्भवती महिला की जानकारी दर्ज करने पर लाल अथवा पीला निशान आता है तो घबराएं नहीं। इसके अनुरूप महिला का एनीमिया मैनेजमेंट करें। आपने यदि पोर्टल पर गलत जानकारी दर्ज की तो इससे किसी गर्भवती महिला की जान भी जा सकती है। गलत डाटा दर्ज करना आपराधिक कृत्य और मानवता के प्रति बहुत बड़ा पाप है। पोर्टल में और ऑफलाइन गलत डाटा दर्ज पाए जाने पर एएनएम, सीएचओ और बीएमओ के विरूद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, स्वास्थ्य जाँच, टीकाकरण, एनीमिया प्रबंधन की जानकारी दी गई है। सीवियर और मॉडरेट एनीमिया की स्थिति में गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली उपचार सहायता की भी पूरी जानकारी दी गई है। बीएमओ एक महीने की अवधि में प्रत्येक गर्भवती महिला की जाँच पुनः कराकर तथ्यपरक डाटा ऑफलाइन और ऑनलाइन दर्ज कराएं। अधिकांश मैदानी कर्मचारी अच्छा कर्य कर रहे हैं लेकिन कुछ लोगों की लापरवाही के कारण विभाग और जिले की छवि धूमिल हो रही है। पोर्टल में पूरी सावधानी के साथ वास्तविक जानकारी दर्ज करें। बीएमओ और सीएचओ गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और जाँच की सतत निगरानी करें। एनिमिक महिलाओं को आयरन सुक्रोज के इंजेक्शन लगवाएं तथा गंभीर स्थिति होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर करके उपचार कराएं।प्रशिक्षण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने कहा कि एएनएम वर्षों से गर्भवती महिलाओं की जाँच कर रही हैं। डाटा फीडिंग में किसी भी तरह की कठिनाई आने पर बीएमओ कार्यालय के डाटा एंट्री आपरेटर की सहायता लें। कोई भी गर्भवती महिला सीवियर एनिमिक मिलती है तो उसकी जानकारी छुपाएं नहीं, उसके उचित उपचार की व्यवस्था करें। गर्भवती महिलाओं के जाँच का विवरण एमसीपी कार्ड में भी अनिवार्य रूप से दर्ज करें। बैठक में डॉ. संदीप पटेल अनमोल पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने का बिन्दुवार प्रशिक्षण दिया। बैठक में एसडीएम मनगवां संजय जैन, सीईओ जनपद प्राची चौबे, डीपीएम राघवेन्द्र मिश्रा, बीएमओ डॉ देववत्त पाण्डेय, सभी सीएचओ तथा एएनएम उपस्थित रहीं।

संकल्प से समाधान अभियान के आवेदनों का करें निराकरण - डॉ. सोनवणे

लंबित आवेदनों का साप्ताहिक लक्ष्य देकर निराकरण कराएं

रीवा । कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। डॉ. सोनवणे ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण कराएं। विकासखण्ड स्तर और ग्राम स्तर के अधिकारियों को हर सप्ताह आवेदनों के निराकरण का लक्ष्य दें। राजस्व विभाग, खाद्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, ऊर्जा विभाग, पीएचई, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग आवेदन पत्रों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सीएम हेल्पलाइन में कोई भी विभाग डी श्रेणी में रहा तो कार्रवाई की जाएगी। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित आवेदनों के निराकरण पर भी विशेष ध्यान दें। बैठक में डॉ. सोनवणे ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान के दौरान हर पात्र हितग्राही से आवेदन पत्र भरवाकर उसे योजनाओं का लाभ दें। अभी भी कई विभागों में आवेदन पत्रों की संख्या बहुत कम है। संबंधित अधिकारी पात्र हितग्राहियों से आवेदन पत्र भरवाकर उसे जनपद पंचायत अथवा नगरीय निकाय के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज कराएं। अभियान के दौरान दर्ज आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण भी करें। आयुष्मान योजना, धरती आबा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना तथा अन्य सभी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र भरवाकर पोर्टल पर दर्ज कराएं। सभी अधिकारी समाधान एक दिन तथा लोकसेवा गारंटी योजना के आवेदनों का तय समय सीमा में निराकरण करें। प्रकरणों के समय सीमा से बाहर होने पर जुर्माने की कार्रवाई करें। जिला नापतौल अधिकारी, सीएमओ सिरमौर तथा सीईओ गंगेव पर दिन के मान से जुर्माना लगाएं। डॉ. सोनवणे ने कहा कि डीन मेडिकल कालेज, सिविल सर्जन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य संस्थाओं का नियमित रूप से भ्रमण करके व्यवस्थाएं बेहतर कराएं। जिला चिकित्सालय, संजय गांधी हास्पिटल तथा गांधी मेमोरियल हास्पिटल की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए विशेष प्रयास करें। रीवा ही नहीं आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में रोगी उपचार के लिए यहाँ पहुंचते हैं। चिकित्सक और चिकित्साकर्मी संवेदनशीलता, सेवाभाव और मानवीय दृष्टिकोण के साथ इनका उपचार करें। उपचार में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। शहर में भवन निर्माण कर रही सभी एजेंसियाँ तथा विभाग नगर निगम से भवन निर्माण की अनुमति अनिवार्य रूप से ले लें। बिना अनुमति निर्माण कार्य पाए जाने पर दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। सभी प्रमुख संस्थानों में फायर ऑडिट अनिवार्य रूप से कराएं। साथ ही सेवा प्रभार नगर निगम को जमा कराएं। बैठक में डॉ. सोनवणे ने धरती आबा योजना, पीएम सूर्यघर योजना, सौभाग्य योजना तथा पोषण वाटिका निर्माण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में खाद नियमित प्राप्त हो रही है। अब केवल ई टोकन के माध्यम से ही व्यवस्थित रूप से खाद का वितरण कराएं। शासन द्वारा गठित विभागीय समितियों में अशासकीय सदस्यों के नामांकन के लिए दो दिवस में प्रस्ताव जिला योजना अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि आईजीओटी पोर्टल का नया वर्जन आ गया है। सभी अधिकारी इसमें प्रशिक्षण प्राप्त अधिकारियों और कर्मचारियों की सूची अगली टीएल बैठक में प्रस्तुत करें। अग्रणी बैंक प्रबंधक तथा महाप्रबंधक सहकारी बैंक मछलीपालन विभाग एवं पशुपालन विभाग के किसान क्रेडिट कार्ड के लंबित सभी आवेदनों का निराकरण कराएं। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर राजेश सिन्हा, डिप्टी कलेक्टर सुधीर बेक, डिप्टी कलेक्टर सुरभि अग्रवाल तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज रीवा में फायर सेफ्टी से संबंधित कार्य को प्राथमिकता से करें पूर्ण, उप मुख्यमंत्री ने की लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा

रीवा ।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने वल्लभ भवन में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय योजनाओं, निर्माण कार्यों एवं मानव संसाधन से संबंधित प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने श्याम शाह मेडिकल कॉलेज, रीवा में फायर सेफ्टी से संबंधित लंबित मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कॉलेज में आवश्यक नवीन कार्यों की स्वीकृति के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने 16 जिला चिकित्सालयों एवं क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉकों के लिए आवश्यक पदों की स्वीकृति संबंधी प्रस्ताव को प्राथमिकता से तैयार कर समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए कैबिनेट अनुमोदन हेतु प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों में फर्नीचर एवं अन्य आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, आयुक्त धनराजु एस सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यातायात पुलिस का “हेलमेट लगाओ–सुरक्षित रहो” शपथ अभियान

वाहन चालकों को किया गया जागरूक

मऊगंज

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर यातायात प्रभारी के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत “हेलमेट लगाओ” शपथ अभियान को जिले के विभिन्न चौराहों और प्रमुख मार्गों पर संचालित किया गया।यातायात पुलिस टीम ने जगह-जगह दोपहिया वाहन चालकों को रोककर उन्हें शपथ दिलाई कि वे घर से निकलने से पहले अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाएंगे। पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को यह भी समझाया कि हेलमेट न केवल कानूनी बाध्यता है, बल्कि दुर्घटना की स्थिति में यह सिर की गंभीर चोट से बचाकर जीवन रक्षक भूमिका निभाता है।इसके साथ ही यातायात पुलिस द्वारा चारपहिया वाहनों को भी रोककर चालकों एवं आगे की सीट पर बैठे यात्रियों को सीट बेल्ट लगाने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस ने बताया कि सीट बेल्ट लगाने से दुर्घटना के समय एयरबैग सही तरीके से खुल पाता है, जिससे जान-माल की क्षति की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है।यातायात प्रभारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण लापरवाही और यातायात नियमों की अनदेखी है। यदि सभी वाहन चालक हेलमेट और सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपायों को अपनाएं, तो हादसों में होने वाली मौतों और गंभीर चोटों को रोका जा सकता है। इस अभियान का उद्देश्य चालान करना नहीं, बल्कि लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना है।अभियान के दौरान आम नागरिकों ने भी यातायात पुलिस की इस पहल की सराहना की और भविष्य में नियमों का पालन करने का भरोसा दिलाया। पुलिस प्रशासन ने अपील की है कि सभी नागरिक यातायात नियमों का पालन करें और स्वयं के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करें।

संकल्प से समाधान अभियान में अब तक 34965 आवेदन पत्र दर्जअभियान में आमजनों के 20801 आवेदन पत्र मंजूर

रीवा ।

आमजनता के आवेदन पत्रों का निराकरण करने तथा विकास योजनाओं की पात्रता के अनुसार आवेदन पत्र भरवाने के लिए संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। जिले भर में यह अभियान 12 जनवरी से 31 मार्च तक चार चरणों में चलाया जा रहा है। अभियान के प्रथम चरण में नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायतों में शिविर लगाकर आमजनता से आवेदन पत्र प्राप्त किए जा रहे हैं। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि अब तक संकल्प से समाधान शिविरों में आमजनता से 34965 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 20801 आवेदन पत्रों को स्वीकृत किया गया है। विभिन्न कारणों से 1156 आवेदन पत्र अस्वीकृत किए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्र में लगाए जा रहे शिविरों में विकासखण्ड जवा में 4056, विकासखण्ड रीवा में 9354, विकासखण्ड सिरमौर में 8088, विकासखण्ड गंगेव में 6881, विकासखण्ड त्योंथर में 2740 तथा विकासखण्ड रायपुर कर्चुलियान में 1652 आवदेन पत्र दर्ज हुए हैं। शहरी क्षेत्रों में नगर निगम रीवा में 1604, नगर परिषद बैकुण्ठपुर में 56, नगर परिषद चाकघाट में 126, नगर परिषद डभौरा में 91, नगर परिषद त्योंथर में 78, नगर परिषद गुढ़ में 79, नगर परिषद मनगवां 29, नगर परिषद गोविंदगढ़ 10, सेमरिया 65 तथा नगर परिषद सिरमौर में 56 आवेदन पत्र दर्ज किए गए हैं। इन आवेदन पत्रों का निराकरण भी किया जा रहा है। शिविरों में सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आयुष्मान कार्ड, संबल कार्ड, नामांतरण, बंटवारा, जमीन के पट्टे, अतिक्रमण हटाने, साफ-सफाई, सड़कों में सुधार, बीपीएल सूची में नाम शामिल करने, खाद्यान्न पर्ची तथा अन्य आवेदन प्राप्त हो रहे हैं।